हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

रायपुर की आनंद वाटिका अब सज चुकी है

Welcome at

ANAND Vatika



HAPPY DUSSEHRA

Valet Parking

Sunday Open

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

Scan to Experience it live

खबर संक्षेप

युवक ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट



अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में युवक ने चरित्र शंका पर पत्नी की डंडे से पिटाई कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही जेल भेज दिया है और मामले की विवेचना चल रही है। बताया जा रहा है कि राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम कोटागहना उप सरपंच अनिल तिवारी ने16 अक्टूबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि गांव के राम वृक्ष कोरवा ने पत्नी चिंतामणि कोरवा की हत्या कर दी है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा लाश को पंचनामा व पीएम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया था। इसके साथ ही पुलिस ने मृतिका के पति रामवृक्ष कोरवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका करता था। घटना दिवस को भी मृतिका मोबाइल फोन पर किसी अज्ञात व्यक्ति से बात कर रही थी और अपने वर्षीय पुत्र को अपने साथ लेकर जाने की जिद कर रही थी। ऐसे में आक्रोशित होकर आरोपी ने घर में रखे लकड़ी के डंडे से पत्नी की बेदम पिटाई कर दी। इस घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कोटागहना निवासी 35 वर्षीय रामवृक्ष कोरवा उर्फ पिंटू आ. जागर कोरवा को बीएनएस की धारा 103(1) के तहत 17 अक्टूबर को गिरफ्तार करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा, घटना के समय पहने गए कपड़े को जब्त करने के साथ ही आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

बिना अनुमति ढहा दिया गया सात दशक पुराना खादी भंडार



सीतापुर। नेशनल हाईवे क्रमांक 43 से सटे 70 साल पुराने खादी भंडार को जेसीबी मशीन से ढहा दिया गया। बिना प्रशासनिक अनुमति के सात दशक पुराने भवन को तोड़े जाने का कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस ने शासन की बेशकीमती जमीन पर कब्जे की नीयत से ढहाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की है। विदित हो कि नगर के मध्य नेशनल हाईवे क्रमांक 43 से सटे 70 साल पुराने खादी भंडार के भवन को रविवार के दिन जेसीबी मशीन से ढहा दिया गया। शासकीय भूमि पर निर्मित इस भवन को ढहाने के लिए कोई प्रशासनिक अनुमति नहीं ली गई थी। बिना अनुमति के ही जेसीबी मशीन लगाकर उसे धराशायी कर दिया गया। रविवार छुट्टी के दिन ढहाए गये इस शासकीय भवन को लेकर नगर में तरह तरह की चर्चाये व्याप्त है। लोगों का कहना है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के इसे ढहा देना न्यायसंगत नही है। वहीं कांग्रेस ने खादी भंडार का दशकों पुराना भवन तोड़े जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तिलक बेहरा ने बिना प्रशासनिक अनुमति के कब्जे की नीयत से खादी भंडार के भवन को ढहाये जाने का आरोप लगाया है।

रामानुज मिनी स्टेडियम में विशाल रावण के पुतले का दहन होगा

मिनी स्टेडियम में होगा रावण दहन

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर



विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को शहर के रामानुज मिनी स्टेडियम में विशाल रावण के पुतले का दहन कार्यक्रम होगा, इसके लिए तैयारियां की जा रही है। इसके एक दिन पूर्व 19 अक्टूबर को शाम ढलने तक रावण सहित उसके भाईयों के पुतले को खड़ा नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते 16 अक्टूबर से उक्त स्थल पर तीन दिवसीय गरबा नाईट कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसके चलते रावण के पुतले को उठाया नहीं जा सका है। ऐसी स्थिति में विजयादशमी के दिन रावण व अन्य पुतले को खड़ा किया जाएगा। विदित हो कि शारदीय नवरात्र शुरू होने के पूर्व ही जयनगर से आए कलाकारों के द्वारा बांस के सहारे रावण सहित कुंभकरण, मेघनाथ के पुतला निर्माण कार्य में जुट गए थे। इस बार रावण का पुतला 55 फीट तथा इससे कुछ छोटी कुंभकरण एवं मेधनाथ के पुतले का निर्माण किया गया है। विजयादशमी के दिन सभी देवी मूर्तियों के विसर्जन पश्चात रात्रि में निर्धारित समय पर विशाल रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इस अवसर पर दहन स्थल पर भव्य आतिबाजी भी की जाती है। इस कार्यक्रम को देखने के लिए शहर सहित आस पास के अलावा दूर दराज के ग्रामीण भी बडी संख्या में कार्यक्रम स्थल मिनी स्टेडियम पहुंचते है।

अब दुर्लभ हो गया नीलकंठ पक्षी का दर्शन

दहशरा पर्व के अवसर पर नीलकंठ पक्षी का दर्शन अत्यंत शुभ माना जाता है इसी मान्यता को लेकर लोग दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी को देखने की तलाश में रहते है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन साल भर सफलता के द्वार खोलने, सुख समृद्धी व सौभाग्य की प्राप्ति होती है लेकिन अब समय के साथ नीलकंठ पक्षी दुर्लभ हो गया सामान्य दिनों में भी कम ही लोगों को दिखाई देती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब भगवान श्री राम लंकापति रावण का वध करने जा रहे थे तब उन्हे नीलकंठ पक्षी के दर्शन हुए थे। इसे प्रभु राम की विजय का एक बड़ा संकेत माना गया था।



सलगवांकला में रावण दहन आज

बैकुण्ठपुर। कोरिया जिले के जनपद मुख्यालय सोनहत से लगे ग्राम सलगवां कला में 20 अक्टूबर को रात्रि में भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरतपुर सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह होगी। इस संबंध में श्री श्री 108 श्री नवदुर्गा पूजा समिति सलगवांकला सोनहत के अध्यक्ष संदीप जायसवाल ने बताया कि 20 अक्टूबर को सलगवांकला में भव्य तरीके से रावण दहन कार्यक्रम होगा। इस हेतु विशाल रावण के पुतले का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और रात्रि 8 बजे मुख्य अतिथि भरतपुर सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह के उपस्थिति में बुराई के प्रति अच्छाई के जीत का प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर रात्रि 9:30 बजे लकी ड्रा भी किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्थल पर सामुहिक डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। श्री जायसवाल ने आयोजित उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को सम्मिलित होने की अपील की है।



श्रमवीर स्टेडियम में आज होगा 40 फीट ऊंचे रावण का दहन

चरचा कॉलरी। कोयलांचल क्षेत्र के नगर पालिका शिवपुर-चरचा में विजयादशमी पर्व को लेकर उत्साह का माहौल है। बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व के अवसर पर चरचा के श्रमवीर स्टेडियम में मंगलवार की शाम भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रावण दहन समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी आयोजन की तैयारियां जोर-शोर की जा रही हैं। इस बार कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 40 फीट ऊंचा रावण का पुतला होगा, जिसका दहन क्षेत्रीय विधायक भईयालाल राजवाड़े के हाथों किया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। चरचा क्षेत्र में दशहरा पर्व पर रावण दहन की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। प्रतिवर्ष श्रमवीर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। परिवार के साथ रावण दहन देखने की परंपरा के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल है। इस वर्ष भी समिति द्वारा कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण कराया जा रहा है। मंगलवार की शाम होने वाले रावण दहन को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। रावण दहन समिति के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रमवीर स्टेडियम में रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मैयालाल राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा उनके हाथों रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। कार्यक्रम में एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक नरेश प्रसाद, सह क्षेत्र प्रबंधक संजय कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल और पंकज गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं समिति के सदस्य शामिल होंगे। समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ ही दशहरा पर्व की परंपरा को उत्साहपूर्वक मनाने की तैयारी है। रावण दहन के अवसर पर स्टेडियम में लोगों की अच्छी-खासी भीड़ जुटने की उम्मीद है। इस वर्ष 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा।

10 लाख की लागत से स्थापित होगी महाराणा प्रताप की प्रतिमा

स्थल निरीक्षण कर क्षत्रिय समाज को मंत्री ने दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज. डोमनहिल



क्षत्रिय समाज द्वारा डोमनहिल स्थित क्षत्रिय भवन में रविवार को शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। शस्त्र पुजा एवं मां काली के छायाचित्र का पूजन करने के बाद कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस दौरान क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने भवन निर्माण के लिए मुख्य अतिथि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि चिरमिरी में बेरोजगारी बहुत है, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। वहीं, समाज के मंत्री ने भवन के लिए स्वीकृत 37 लाख रुपए और स्टेज के लिए 25 लाख रुपए की राशि के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे विधायक प्रदेश में कैबिनेट मंत्री हैं। वे घंटों-घंटों में क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। कुछ घंटे पहले चिरमिरी में होते हैं, तो कुछ घंटे बाद रायपुर में होने की जानकारी मिलती है। शस्त्र पूजा कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आज क्षत्रिय समाज द्वारा शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षत्रिय समाज से मनोनीत एल्डरमैन उपेंद्र सिंह को शॉल और श्रीफल पहनाकर सम्मानित किया गया।

मंत्री श्री जायसवाल ने आगे कहा कि यह मेरा विधानसभा क्षेत्र है, लेकिन जब मैं यहां लोगों से मिलता हूं, तो लगता है कि अपने परिवार के बीच में हूं। कुछ लोग पद पाने के लिए कुछ भी करते रहते हैं और मैं कुछ करने के लिए पद पर बैठा हूं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को हमारी संस्कृति से भी गुरेज है। क्या हम अपनी संस्कृति को भूल जाएं यह बात उन्होंने गरबा महोत्सव के दौरान सोशल मीडिया पर की गई टीका-टिप्पणी के संदर्भ में कही। विधायक जायसवाल ने कहा कि क्या संस्कृति को सिर्फ इसलिए भूल जाएं कि इसमें खर्च हो रहा है शस्त्र पूजा भी समाज के लोगों को एक स्थान पर एकत्रित कर जोड़ने की परंपरा है। खर्च तो इसमें भी लगता है, तो क्या इसे बंद कर दिया जाना चाहिए मेरा जवाब है बिल्कुल नहीं। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय का धर्म छाते के रूप में लोगों को सुरक्षित करना है। क्षत्रिय भले ही कद में छोटा हो, लेकिन जब भी आवश्यकता पड़ती है, तो क्षत्रिय का विशाल रूप दिखाई देता है। इस दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने क्षत्रिय समाज के प्रेरणादायक महापुरुषों महाराणा प्रताप सिंह, महाराणा सांगा और पृथ्वीराज चैहान को याद किया। मंत्री जायसवाल ने आगे कहा कि कलचुरियों ने 18-18 गढ़ों को मिलाकर छत्तीसगढ़ बनाया है। मैं आप लोगों के सम्मान के लिए 18-18 घंटे काम कर रहा हूं, ताकि आप प्रदेश के किसी भी जिले में जाएं, तो आपको सम्मान की नजर से देखा जाए। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने एक बीज लगाया, पानी डाला और उसे पेड़ बनाया है, जिसे अब पूरा छत्तीसगढ़ जानता है। इस दौरान चिरमिरी के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अमृत जल मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाने की योजना के लिए 185 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 56 करोड़ रुपये की लागत से डोमनहिल, पोड़ी, हल्दीबाड़ी, कोरिया और गोदरीपारा में पांच विद्युत सबस्टेशन बनाए जाएंगे। इससे क्षेत्र में बिजली की समस्या दूर होगी। उन्होंने रेलवे जैसी बड़ी परियोजना, जिला अस्पताल के कायाकल्प, 150 से अधिक स्टाफ की व्यवस्था, 1,000 लोगों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम और नालंदा परिसर का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी परियोजनाएँ चिरमिरी में स्थायित्व लाने के साथ रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव लाने वाली साबित होंगी।

क्षेत्र में 8 मीटर चैड़ी सड़कें बनाई जा रही

पूरे क्षेत्र में 8 मीटर चैड़ी सड़कें बनाई जा रही हैं। उन्होंने गंभीरता से कहा कि चिरमिरी को कैंसर जैसी बीमारी की तरह खड़ा किया गया है और कैंसर का इलाज दो इंजेक्शन से नहीं हो सकता। इसलिए मुझ पर भरोसा रखें। चिरमिरी में लगातार बदलाव हो रहा है, जो आपको भी दिखाई देगा। कार्यक्रम के अंत में क्षत्रिय समाज की मांग पर महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा स्थापित कराने के लिए स्थल का निरीक्षण किया गया। मंत्री ने अगले शस्त्र पूजा कार्यक्रम तक प्रतिमा स्थापना का कार्य पूरा कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान क्षत्रिय समाज से मनोज सिंह, प्रमोद सिंह, राम लखन सिंह, बृजेश सिंह, उपेंद्र सिंह, राजू नायक, रमन सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में राजपूत समाज के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

विवेकानंद चौक से निकलेगी शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज. चरचा कॉलरी

नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्रीराम मंदिर में होगी पूजा-अर्चना

विजयादशमी एवं दशहरा पर्व के पावन अवसर पर नगर पालिका शिवपुर-चरचा में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिलेगा। भगवान श्रीराम के प्रति आस्था और श्रद्धा को समर्पित करते हुए सर्व हिंदू समाज के तत्वावधान में मंगलवार, 20 अक्टूबर को भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

आयोजकों ने नगरवासियों सहित समस्त हिंदू समाज के लोगों से शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह 11 बजे भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा विवेकानंद चौक से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा सुभाष नगर चौक, महाराणा प्रताप कॉलोनी, नेपाल गेट, कृष्णा नगर चौक, वीटीसी कॉलोनी चौक, हनुमान मंदिर, राजीव गांधी चौक एवं बाजारपारा लाइन से होते हुए श्रीराम मंदिर पहुंचेगी। यहां भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना एवं आरती की जाएगी। इसके पश्चात शोभायात्रा वापस सुभाष नगर स्थित दुर्गा पंडाल पहुंचेगी, जहां कार्यक्रम का समापन होगा। शोभायात्रा के समापन के पश्चात सुभाष नगर स्थित दुर्गा पंडाल में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। सर्व हिंदू समाज की ओर से नगर के सभी श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा में शामिल हों और भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बनें। आयोजकों ने समाज के सभी वर्गों से इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

मां दुर्गा के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंज रहा जनकपुर

हरिभूमि न्यूज. जनकपुर



वनांचल से नगर तक एक ही गूंज- जय माता दी

जनकपुर और आसपास के वनांचल क्षेत्र में नवरात्र का उत्साह इस बात का प्रतीक है कि आस्था की डोर भौगोलिक दूरियों से कहीं अधिक मजबूत होती है। मां के दरबार में पहुंचने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा, विश्वास और उम्मीदों के साथ माता रानी के चरणों में नमन कर रहा है। किसी की आंखों में भक्ति की चमक है, तो किसी के चेहरे पर दर्शन के बाद मिलने वाली आत्मिक शांति का

वनांचल की शांत वादियों से लेकर जनकपुर नगर पंचायत की गलियों तक इन दिनों मां जगदम्बे की भक्ति की अविरल धारा बह रही है। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा है। कहीं माता रानी की दिव्य और तेजस्वी प्रतिमा श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही है, तो कहीं रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से जगमगाते पूजा पंडाल आस्था और उल्लास की अनुपम छटा बिखेर रहे हैं।

मां के दर्शन की लालसा लिए सुबह से देर शाम तक श्रद्धालु दरबार पहुंच रहे हैं। कोई परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहा है, तो कोई जीवन में सुख, शांति और खुशहाली का आशीर्वाद मांग रहा है। नवरात्र के इस पावन पर्व ने जनकपुर के वातावरण को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया है। जनकपुर के हृदय स्थल स्थित हनुमान मंदिर परिसर, तुर्रा मंदिर, फॉरेस्ट कॉलोनी और ठाकुर बाबा मंदिर में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इन पूजा स्थलों पर की गई आकर्षक साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पंडालों की कलात्मक बनावट, रंग-बिरंगी विद्युत झालरें और मां के मनोहारी स्वरूप ने दुर्गोत्सव की रौनक बढ़ा दी है। प्रत्येक दरबार में पहुंचकर श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर रहे हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाएं अर्पित कर रहे हैं। मां दुर्गा की प्रतिमाओं का दिव्य स्वरूप भक्तों को कुछ पल ठहरकर निहारने के लिए विवश कर देता है। सुसज्जित दरबार में विराजमान माता रानी की छवि श्रद्धालुओं के मन में श्रद्धा और विश्वास का भाव जगा रही है। पूजा पंडालों में परिवार सहित पहुंच रहे लोग दर्शन-पूजन के साथ नवरात्र की खुशियां साझा कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर आयु वर्ग के लोगों में माता के प्रति गहरी आस्था दिखाई दे रही है। दिन ढलते ही जनकपुर के पूजा पंडालों की भव्यता और निखर उठती है। विद्युत झालरों की जगमगाहट, सुसज्जित पंडाल और माता रानी के दिव्य दर्शन का दृश्य श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहा है। शाम के समय दर्शनार्थियों की आवाजाही से पूजा स्थलों पर उत्सवी माहौल दिखाई देता है। मां के जयकारों से गूंजता वातावरण भक्तों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। नवरात्र केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता का भी अवसर है। अलग-अलग मोहल्लों और आसपास के वनांचल क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु एक ही भाव से माता के चरणों में शीश नवाते हैं।

पृष्ठ 3 का शेष

पूजा पंडालों में...

करने के लिए लोग जुटते रहे। वही नवमी तिथि को पूजा पण्डालों में भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी कुछ जगहों पर होता रहा। अंतिम दिन सभी पूजा पण्डालो में पूजा अर्चना पश्चात दोपहर में भण्डारा का प्रसाद वितरण किया जाता रहा। विदित हो कि शहर के सभी दुर्गोत्सव में सप्तमी तिथि से माता के दर्शन करने के लिए लोग परिवार सहित पहुंच रहे है वही अष्टमी तिथि को भी देर रात तक सभी दुर्गोत्सव में माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। कई जगहों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। इसके अलावा शहर के रामानुज मिनी स्टेडियम में गरबा नाईट कार्यक्रम में भी गरबा की धुन पर महिलाएं थिरकती रही।

माता को अंतिम विदाई देनें जुटेंगे हजारो- शारदीय नवरात्र के दशमी तिथि को आज देवी माता को अंतिम विदाई देने के लिए शहर में हजारों श्रद्धालु जुटेंगे। आज सभी पूजा पण्डालों में हवन पूजन का कार्यक्रम संपन्न करने के बाद अपरानह कें समय देवी प्रतिमाओं को वाहनों में आकर्षक तरीके से सजाकर सभी समितियों से देवी मूर्तियों को एक एक कर विसर्जन के लिए ले जाया जाएगा। इस अवसर पर माता के अंतिम दर्शन एवं विदाई देने के लिए शहर सहित अंचल के श्रद्धालु भारी संख्या में जुटेंगे। इस दौरान श्रद्धालु बाजे गाजे के साथ विसर्जन की झांकी निकाल कर डीजे की धुन पर थिरकते हुए माता को विदाई देंगे। सभी पूजा समितियों के द्वारा एक एक कर झुमका तट स्थित विसर्जन कुण्ड में देवी मूर्तियों का पूजा अर्चना कर विसर्जन कर देंगे।

चार महिलाओं के...

रहा था। इसके बाद साइबर सेल और तकनीकी टीम ने वीडियो एनहांसमेंट टूल्स तथा फ्रेम-दर-फ्रेम विश्लेषण की मदद ली। वाहन की बॉडी संरचना, विशिष्ट निशान और लाइट पैटर्न का मिलान करते हुए संदेही वाहन को चिन्हित किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और डेटाबेस के मिलान के बाद दुर्घटनाकारित वाहन की पहचान बोलेरो पिकअप क्रमांक जेएच 03 एयू 6791 के रूप में की गई। इसके बाद वाहन के रिकॉर्ड और तकनीकी लोकेशन के आधार पर चालक की पहचान सुनिश्चित की गई। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आशा सेन एवं मोहसीन खान के नेतृत्व में पटना थाना प्रभारी प्रमोद पांडे, प्रशिक्षु उप निरीक्षक आकाश सुरपाम एवं सुंदरलाल नरेटी, सहायक उप निरीक्षक इंद्रजीत सिंह, संदीप साय, प्रदीप साहू, प्रधान आरक्षक सत्येंद्र तिवारी, आरक्षक अमल कुजूर, राजेश रगड़ा, सजल जायसवाल तथा सैनिक विकास सिंह, अमृतानंद, राघवेंद्र पुरी एवं शिवम सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गरबा-डांडिया प्रतियोगिता...

13 वर्षों से आयोजित हो रहा गरबा महोत्सव- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रणव चक्रवर्ती ने कहा कि क्षेत्र के लिए यह गौरव की बात है कि केबी पटेल संस्थान के अध्यक्ष चंद्रकांत पटेल के मार्गदर्शन में पिछले 13 वर्षों से गरबा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर रहा है। एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधक रमेश बसंत सिंधूर ने सभी प्रतिभागियों और नर्सिंग एवं बीएड की छात्राओं को दुर्गोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डांडिया नृत्य देवी दुर्गा के सम्मान में किया जाता है और डांडिया की छड़ियां देवी दुर्गा की तलवार का प्रतीक मानी जाती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों की कला की सराहना करते हुए कहा कि विजेता प्रतिभागी अपनी कला को और निखारें, जबकि अन्य प्रतिभागी भी निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करें। महापौर रामनरेश राय ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और सामाजिक मूल्यों का विकास करते हैं। यह उत्सव सभी के लिए यादगार रहा और इसने पूरे वातावरण को भक्ति, उल्लास एवं एकता की भावना से भर दिया। संपदा महिला समिति की अध्यक्ष अर्पणा सिंधूर ने कहा कि गरबा एवं डांडिया उत्सव लोगों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ सामूहिकता, आनंद और उत्सव की भावना को मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजन छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें आत्मविश्वास के साथ समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

59 सीढ़ियां चढ़ते ही माल डोंगरी में होते हैं मां शारदा के दिव्य दर्शन

जनकपुर। वनांचल की वादियों में बसी माल डोंगरी की पहाड़ी, प्रकृति की गोद में विराजमान मां शारदा मइया का दिव्य दरबार और श्रद्धा से गूंजती रामचरितमानस की चौपाइए। यह दृश्य केवल एक मंदिर की कहानी नहीं, बल्कि अटूट आस्था, लोकविश्वास और पीढ़ियों से चली आ रही भक्ति परंपरा का जीवंत प्रमाण है। एमसीबी जिले के विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत सिंगरौली के आश्रित ग्राम अमराडंडी में स्थित माल डोंगरी पर मां शारदा मइया भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं। गांव से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 59 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। जैसे-जैसे कदम पहाड़ी की ओर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे मन में माता के दर्शन की उत्कंठा और गहरी होती जाती है।



मां के दरबार में मत्था टेकने के लिए स्थानीय ग्रामीणों के साथ आसपास के गांवों और पड़ोसी मध्यप्रदेश से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के दौरान यहां विशेष चहल-पहल रहती है। मंदिर परिसर में जवारा बोया जाता है और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। भक्त माता के दरबार में अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। स्थानीय श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से मांगी गई मुराद मां शारदा अवश्य पूरी करती हैं।

तापमान

अधिकतम 31 डिग्री

न्यूनतम 18 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

2 मिनी स्टेडियम में होगा रावण दहन



खबर संक्षेप

नहाने के दौरान डेम में डूबने से युवक की मौत

अंबिकापुर। जिले के दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम पोड़ीखुर्द स्थित डेम में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से एक युवक की डूबकर मौत हो गई। इस दुरान युवक के साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हुए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम द्वारा शव को पानी से निकाला गया। पुलिस ने पीएम उपरंत शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि शहर के नमनाकला निवासी 22 वर्षीय हर्ष कश्यप आ. रवि कश्यप अपने दोस्त निरंजन पैकरा व अन्य के साथ 17 अक्टूबर को पोड़ीखुर्द हरिपारा स्थित घुनघुट्टा डेम में नहाने गया था। नहाने के दौरान हर्ष कश्यप गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके तीनों दोस्तों ने काफी प्रयास किया, लेकिन वे उसे बचाने में सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलने पर दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के गहरे पानी में डूब जाने के कारण उसका शव तत्काल नहीं मिल पाया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। फिलहाल दरिमा पुलिस मामले में आगे की जांच में जुटी हुई है।

बाइक पेड़ से टकराई युवक की मौत

अम्बिकापुर। सुवारपारा से बटईकेला मार्ग स्थित मोड़ पर तेज रफ्तार बाईक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बतौली अंतर्गत ग्राम बिलासपुर निवासी अजय कुमार चक्रवर्ती आ. प्रदीप कुमार चक्रवती (21 वर्ष) अंबिकापुर में रहकर रेलवे स्टेशन के समीप होटल में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। अपने निजी काम से 5 बजे बतौली पहुंचा और अपने भाई से अपना बाइक केटीएम क्रमांक सीजी 15 ई जे 4512 को बिलासपुर से बतौली मंगवाया और कहा कि बाईक अंबिकापुर लेकर जा रहा हूं। दोस्तों से मिलने के बाद रात्रि 8 बजे जूनापारा मंगारी सुवारपारा क्रेशर मार्ग से जाने लगा और जैसे सुवारपारा मोड के समीप पहुंचा तभी सड़क किनारे स्थित बबूल के पेड़ से अनियंत्रित होकर जा टकराया जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। बतौली पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया।

पिता पर सब्बल से वार का उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

शंकरगढ़। घरेरू बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हो गया।



विवाद इतना बढ़ गया कि पुत्र ने न सिर्फ पिता के साथ मारपीट किया बल्कि सब्बल से सीने में प्राणघात हमला कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्यारे पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खैराडीह लाइन पारा निवासी भीनु पैकरा (52 वर्ष) बीत रात घर में था तभी पुत्र सत्येंद्र पैकरा (27 वर्ष) के साथ घरेलू बाद को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच विवाद बढ़ने लगा और मारपीट शुरू हो गई। इसी बीच पुत्र ने घर में रखे सब्बल से पिता के सीने में जानलेवा हमला कर दिया जिससे पिता की मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर कर परिजन के सुपुर्द किया है। पुलिस ने आरोपी पुत्र के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज कर न्यायालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

पानी में दिखाई देती है रावण की परछाईं

रावण दहन का अनोखा आयोजन कोरिया कॉलरी को अलग पहचान दिलाता है

ऐतिहासिक तालाब के बीच टापू पर जलाया जाता है रावण..उमड़ती है भीड़

कोरिया कॉलरी। नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र के कोरिया कॉलरी में इस बार दशहरे पर एक बार फिर अनोखे अंदाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाएगा। यहां ऐतिहासिक पोखरी तालाब के बीच स्थित टापू पर मंगलवार को रावण दहन किया जाएगा।

पानी से लबालब तालाब के बीच टापू पर खड़े रावण के विशालकाय पुतले का दहन देखने के लिए क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है। विशेष बात यह है कि तालाब के बीच टापू पर रावण दहन का यह अनोखा दृश्य कोरिया कॉलरी को दशहरे के आयोजनों में अलग पहचान दिलाता है। पानी में दिखाई देती रावण की परछाईं, चारों ओर फैली हरियाली और नाव से टापू तक पहुंचने की परंपरा इस आयोजन को यादगार बनाती है। कोरिया कॉलरी का यह आयोजन अपनी अनूठी परंपरा और प्राकृतिक परिवेश के कारण अन्य स्थानों के रावण दहन से अलग पहचान रखता है। तालाब के बीच टापू पर रावण का पुतला, नजारा बना आकर्षण का केंद्र कोरिया कॉलरी का पोखरी तालाब लंबे समय से अपनी विशिष्ट पहचान के लिए जाना जाता है लेकिन दशहरे के अवसर पर इसकी खूबसूरती और भी खास हो जाती है। तालाब के बीच बने छोटे से टापू पर रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। चारों तरफ पानी और बीच में स्थापित रावण का पुतला दूर से ही लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। तालाब के शांत पानी में रावण के पुतले की परछाईं इस दृश्य को और भी मनमोहक बना रही है। आसपास की हरियाली, पहाड़ियों और खुले प्राकृतिक वातावरण के बीच खड़ा रावण का पुतला आयोजन को एक



अलग ही रूप दे रहा है। यही वजह है कि कोरिया कॉलरी का रावण दहन क्षेत्र में विशेष आकर्षण का केंद्र माना जाता है। नाव से टापू पर पहुंचेंगे राम, लक्ष्मण और सीता इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि रावण दहन के लिए राम, लक्ष्मण और सीता नाव के माध्यम से तालाब के बीच स्थित टापू तक पहुंचेंगे। इसके बाद मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा रावण दहन किया जाएगा। पानी से घिरे टापू तक नाव से पहुंचने की यह परंपरा आयोजन को रोमांचक और यादगार बनाती है। जहां अधिकांश स्थानों पर खुले मैदानों में रावण दहन किया जाता है, वहीं कोरिया कॉलरी में तालाब के बीच टापू पर रावण दहन का दृश्य अपने आप में विशिष्ट है। पानी के बीच टापू पर खड़े रावण के पुतले और नाव से पहुंचने वाले राम, लक्ष्मण व सीता का दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। दिन-रात मेहनत कर रहे कारीगर तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप दशहरा पर्व को लेकर रावण दहन समिति की तैयारियां तेज हो गई हैं रावण के पुतले को आकर्षक स्वरूप देने के लिए कारीगर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। पुतले के निर्माण से लेकर उसे टापू पर स्थापित करने और आयोजन की व्यवस्थाओं तक विभिन्न कार्यों को पूरा करने में समिति जुटी हुई है। तस्वीरों में तालाब के बीच टापू पर पीले वस्त्रों से सजा रावण का पुतला दिखाई दे रहा है। उसके दस सिर, आकर्षक वेशभूषा और विशाल आकृति आयोजन की भव्यता को दशार्ती है। पुतले के आसपास लगाए गए ढांचे और अन्य निर्माण सामग्री से साफ है कि आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति का प्रयास है कि दशहरे के दिन आयोजन को व्यवस्थित और आकर्षक बनाया जाए, ताकि यहां पहुंचने वाले लोग इस अनूठे रावण दहन का आनंद ले सकें।

परंपरा, आस्था का संगम

दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि सत्य की असत्य पर और अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक भी है। भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध किए जाने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है। कोरिया कॉलरी में इस धार्मिक परंपरा को तालाब के बीच टापू पर रावण दहन के अनोखे स्वरूप में प्रस्तुत किया जाता है। यहां का आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। पोखरी तालाब के बीच रावण दहन का दृश्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है और इस अनूठी परंपरा के कारण कोरिया कॉलरी का दशहरा विशेष पहचान बनाता है। आज रहेगा विशेष आकर्षण आज होने वाले रावण दहन को लेकर क्षेत्र में उत्सुकता का माहौल है। आयोजन के दिन तालाब के आसपास लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है। अब सभी की निगाहें दशहरे के दिन होने वाले उस खास पल पर टिकी हैं, जब नाव से टापू तक पहुंचकर भगवान श्रीराम रावण के पुतले का दहन करेंगे।

शारदीय नवरात्र: नौ दिनों तक बही भक्ति की बयार

पूजा पंडालों में हवन-पूजन, विसर्जन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

शारदीय नवरात्र के नवमीं तिथि सोमवार को पूजा पण्डालों में माता का श्रृंगार का विधि विधान के साथ सिद्धीदात्री रूप की आवश्यक पूजन सामग्री के साथ पूजा अर्चना की गई। वहीं श्रद्धालुओं ने भी अपने घरों में नवमी तिथि की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर शहर के विभिन्न पूजा पण्डालों में कन्या पूजन का आयोजन किया गया।

कन्याओं के माता स्वरूप में विधि विधान के साथ पूजा कर भोग प्रसाद चढ़ाया गया और आर्शीवाद प्राप्त किया गया। इसके अलावा कई श्रद्धालुओं ने अपने घरो में भी नवमी तिथि को कन्या पूजन का आयोजन कर कन्याओं का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर भोग चढ़ाया गया। कन्या पूजन को लेकर शहर के सभी पूजा पण्डालो में दोपहर के समय कन्याओं का पूजन कार्यक्रम चलता रहा। वही नवमी तिथि को सभी पूजा पण्डलों में विशेष हवन पूजन कार्यक्रम भी आयोजित की गई। पूजा अर्चना पश्चात अनेक पूजा पण्डालों में विशाल भण्डारा कार्यक्रम भी दोपहर से अपरान्ह देर तक चलता रहा जहां माता का प्रसाद ग्रहण ⏭शेष पेज 2 पर



देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़

शारदीय नवरात्र के अंतिम दिनों में जहां दुर्गा पूजा पण्डालों में प्रतिदिन शाम ढ़लने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है वही देवी मंदिरों में भी सुबह होने के साथ ही भक्तजन माता के दर्शन एवं पूजा अर्चना के लिए जुट रहे है। शहर के निकट अंचल का प्रसिद्ध आस्था का केंद्र मां रमदईया माता के धाम में भी सुबह से शाम ढ़लने के बाद भी यहां श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। इस कारण यहां इन दिनों मेले जैसे नजारे दिखाई दे रहा है। खडगवां के निकट ग्रामा चनवारीडांड स्थित मां महामाया मंदिर में हजारों की संख्या में मनोकामना ज्योत जल रही। वही यहां माता के दर्शन करने के लिए अंचल सहित दूर दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे है। यहां अंतिम दिन नवमी तिथि को श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही।

भांडी में निकाली गई नव माताओं की चैतन्य झांकी



शहर के समीप ग्राम भांडी स्थित देवालय दुर्गा पूजा समिति द्वारा शारदीय नवरात्र की अष्टमी के पावन अवसर पर नव माताओं की दिव्य एवं चैतन्य झांकी निकाली गई। इस दौरान माता के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवालय दुर्गा पूजा पंडाल में पहुंचे। आयोजन के दौरान समिति के सदस्यों ने सभी नव माताओं का विधिवत पूजन-अर्चन किया और श्रद्धापूर्वक स्वागत एवं सत्कार किया। झांकी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। माता के जयकारों और भक्तिमय माहौल से पूरा पूजा पंडाल गूंज उठा। अष्टमी पर्व पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माता के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

रमदईया धाम से निकली ज्वारा शोभायात्रा



शहर के कुमार चौक में रमदईया धाम से जवारा शोभायात्रा लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं का देवराहा बाबा सेवा समिति द्वारा स्वागत एवं सेवा की गई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष शैलेष शिवहरे समेत अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं को फल, मिष्ठान, कोल्ड ड्रिंक एवं ठंडा पानी वितरित कर उनकी सेवा की। धार्मिक आस्था और श्रद्धा से जुड़े इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने जवारा लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया। सेवा समिति के इस प्रयास से श्रद्धालुओं को राहत मिली। धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा और सहयोग की भावना सामाजिक समरसता एवं आपसी सद्भाव का संदेश देती है।

नवमीं पर कन्या पूजन का आयोजन



चरचा कॉलरी। शारदीय नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर नगर पालिका शिवपुर-चरचा क्षेत्र में मां दुर्गा की आराधना एवं भक्ति का माहौल बना रहा। नवरात्र की नवमी तिथि पर शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नौ रूपों के प्रतीक के रूप में नन्ही-मुन्नी बालिकाओं का विधि-विधान से नव कन्या पूजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं को श्रद्धापूर्वक आमंत्रित कर उनका पूजन-अर्चन किया गया तथा उन्हें प्रसाद ग्रहण कराया गया। नवमी के दिन कन्या पूजन का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, छोटी बालिकाओं में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का वास माना जाता है। इसी आस्था और विश्वास के साथ श्रद्धालु नवरात्र के अंतिम दिनों में कन्या पूजन कर मां दुर्गा से सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना करते हैं। पूजन के दौरान नन्ही बालिकाओं को सम्मानपूर्वक आसन पर बैठाकर उनकी पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद उन्हें प्रसाद ग्रहण कराया गया। श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण इस आयोजन में देवी स्वरूप बालिकाओं के प्रति सम्मान एवं आस्था का भाव देखने को मिला।



चार महिलाओं की मौत के बाद फरार पिकअप चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जिले के पटना थाना क्षेत्र के ग्राम करजी तालाब के पास 2 अक्टूबर को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत के मामले में कोरिया पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर दुर्घटनाकारित वाहन और उसके चालक की पहचान कर ली है।

- करजी तालाब के पास ऑटो को टक्कर मारकर फरार हुई थी पिकअप

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद फरार हुआ वाहन बोलेरो पिकअप क्रमांक जेएच 03 एयू 6791 है। इसके चालक की पहचान राजू कुमार गुप्ता, निवासी ग्राम एवं थाना रमकंडा, जिला गढ़वा, झारखंड के रूप में की गई है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते 2 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे ग्राम छिंदिया निवासी अमित सिंह अपने ऑटो में लगभग 14-15 महिलाओं को लेकर ग्राम बिलारो से तीज नहावन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गृह ग्राम लौट रहे थे। इसी दौरान पटना थाना क्षेत्र के ग्राम करजी तालाब के पास बैकुण्ठपुर की ओर से आ रही एक बोलेरो पिकअप ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में ऑटो सवार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चंदमती सहित कुल चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि अन्य महिलाएं घायल हुईं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के मार्गदर्शन और कोरिया पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में फरार वाहन एवं चालक की पतासाजी के लिए विशेष पुलिस और तकनीकी टीम गठित की गई।

घटना रात के समय होने और मौके पर वाहन का स्पष्ट सुराग नहीं मिलने के कारण पुलिस ने आधुनिक तकनीक की मदद से जांच आगे बढ़ाई। पुलिस टीम ने घटनास्थल करजी तालाब से लेकर बैकुण्ठपुर शहर, मुख्य मार्गों, प्रमुख तिराहों, टोल नाकों और संभावित निकास मार्गों पर लगे 50 से अधिक शासकीय एवं निजी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की। घटना के समय के अनुसार मिनट-दर-मिनट टाइमलाइन तैयार कर सैकड़ों घंटे के वीडियो फुटेज का विश्लेषण किया गया। पुलिस के मुताबिक, रात के अंधेरे और तेज रफ्तार के कारण शुरूआती फुटेज में वाहन का नंबर स्पष्ट नहीं हो पा ⏭शेष पेज 2 पर

बिजुरी में दुर्गा अष्टमी और नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब



बिजुरी। शारदेय नवरात्र के पावन अवसर पर कोयलांचल नगरी बिजुरी में मां दुर्गा की आराधना को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। दुर्गा अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। स्टेशन चौक एवं हनुमान मंदिर चौक स्थित मंदिरों में सुबह से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की। पूरा नगर जय माता दी के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान नजर आया। नवरात्र के अंतिम दिनों में माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। नवरात्र पर्व को लेकर नगरवासियों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे।

रकया में नवरात्रि की महाअष्टमी पर कन्याभोज का आयोजन



बैकुण्ठपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के शुभ अवसर पर सोमवार महाअष्टमी को शासकीय माध्यमिक शाला, रकया में भव्य एवं भक्तिमय माहौल में कन्याभोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तिभाव के साथ बालिकाओं के पावन चरण पखारकर, मातारानी का भव्य श्रृंगार, महाआरती और महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ। शाला परिसर में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने एक साथ मिलकर भक्तिमय संगीत पर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मां दुर्गा के नौ रूपों की भव्य एवं सजीव झांकी रही। झांकी के माध्यम से विद्यार्थियों ने मां शैलपुत्री से लेकर मां सिद्धिदात्री तक के सभी नौ रूपों के महत्व और स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसएमसी की सदस्य धनमत राजवाड़े, विद्यालय की रसोईया रीता यादव तथा समस्त पालकों का योगदान रहा।



केबी पटेल संस्थान में दो दिवसीय गरबा महोत्सव का समापन

गरबा-डांडिया प्रतियोगिता में नवदुर्गा ग्रुप ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोमनहिल

शारदीय नवरात्र के अवसर पर केबी पटेल नर्सिंग एवं बीएड संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय गरबा एवं डांडिया प्रतियोगिता उत्साह, उमंग और भक्तिमय माहौल के बीच संपन्न हुई।

- 25 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार जीता

प्रतियोगिता में नवदुर्गा ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 25 हजार रुपए की नगद पुरस्कार राशि अपने नाम की। वहीं मां भवानी ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 15 हजार रुपए और उत्कल ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 10 हजार रुपऐ का पुरस्कार हासिल किया। अन्य प्रतिभागी ग्रुप को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधक रमेश बसंत सिंधूर, चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, डिप्टी सीएम कुमार सौरभ, उपक्षेत्र प्रबंधक अरुण सिंह चौहान तथा संपदा महिला समिति की अध्यक्ष अर्पणा सिंधूर एवं श्वेता सौरभ



उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां दुर्गा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। दो दिवसीय गरबा एवं डांडिया महोत्सव का प्रत्येक दिन नए रंग, नए नजारे और उत्साह से भरा रहा। प्रतिभागियों ने रंग-बिरंगे परिधानों और आकर्षक डांडिया स्टिक के साथ मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। गरबा पंडाल में प्रतिभागियों के साथ दर्शकों का उत्साह भी देखते ही बना। समापन के दौरान भावुक पल भी देखने को मिले। दो दिनों तक एक साथ उत्सव मनाने वाले प्रतिभागियों ने अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ एक-दूसरे से विदाई ली।

कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ नारी सशक्तीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने बस्तर की दशहरा परंपरा को अपनी प्रस्तुतियों में दशार्या। इसके साथ ही नृत्य के माध्यम से समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता और हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों की ओर भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ⏭शेष पेज 2 पर

आठ ग्रुप ने लिया प्रतियोगिता में हिस्सा

प्रतियोगिता में कात्यायनी ग्रुप, जय मां भवानी ग्रुप, उत्कल ग्रुप, भवानी ग्रुप और सौंदर्य ग्रुप सहित कुल आठ ग्रुप ने हिस्सा लिया। निर्णायक की भूमिका श्रीमती पांडे, वर्षा जैन, रीना वर्मा और मनीष खटीक ने निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के डायरेक्टर विश्वजीत बारिक, प्रशासक डॉ. डीके उपाध्याय, प्राचार्य प्रियंशु सिंह, मंजूलता कश्यप सहित संस्थान के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।



जिलेवासियों को शारदीय नवरात्रि, विजयादशमी पर्व की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं...



































